Toppersnotes®
Unleash the topper in you

MP-POLICE

सब-इंस्पेक्टर

MADHYA PRADESH PROFESSIONAL EXAMINATION BOARD

NON - TECHNICAL

भाग – 4

भारत का सामान्य अध्ययन

SIERRA INNOVATIONS

MP – SUB INSPECTOR

क्र.सं.	अध्याय	पृष्ठ सं.
	भारत का भूगोल	
1.	भारत की स्थिति और विस्तार	1
2.	भारत का अपवाह तंत्र	5
3.	वन्य जीव जन्तु एवं अभ्यारण	24
4.	कृषि	31
5.	भारत में खनिजों का विवरण	34
6.	भारत के प्रमुख उद्योग	37
7.	परिवहन तंत्र	42
8.	भारत की जलवायु	46
9.	भारत में निवास करने वाली जनजातियाँ	58
10.	भारत की मृदा	60
11.	विश्व भूगोल के महत्वपूर्ण तथ्य	65
	• विश्व के महाद्वीप	65
	• विश्व के महासागर एवं सागर	65
	• विश्व के प्रमुख द्वीप	67
	• विश्व की प्रमुख पर्वत श्रेणियां एवं चोटियां	67
	• विश्व के प्रमुख मरूस्थल	68
	• विश्व की प्रमुख झील	68
	• विश्व के प्रमुख नहर	69
	• विश्व की नदियां	69
	• विश्व की प्रमुख जनजातियाँ	69
	• विश्व के प्रमुख जल परिवहन मार्ग	70
	• विश्व के प्रमुख ज्वालामुखी	71
		71
	भारत का इतिहास	
1.	प्राचीन इतिहास	74
	• सिन्धु घाटी सभ्यता	74
	• वैदिक काल	78
	• बौद्ध धर्म	81
	• जैन धर्म	83

	• महाजनपद काल • मौर्य वंश • गुप्त वंश	84 85 88
2.	मध्यकालीन भारत • भारत पर आक्रमण • सल्तनत काल • मुगल काल • भक्ति एवं सूफी आन्दोलन • मराठा उद्भव	92 92 93 98 104 105
3.	आधुनिक भारत का इतिहास • भारत में यूरोपियन शक्तियों का आगमन • मराठा शक्ति का उत्कर्ष • अंग्रेजो की भू–राजस्व पद्धतियाँ • गवर्नर व वायसराय • 1857 की क्रान्ति • प्रमुख आन्दोलन • कांग्रेस अधिवेशन • भारतीय क्रांतिकारी संगठन	107 107 110 112 115 119 121 124 135
	भारतीय संविधान	
1.	संविधान का विकास	138
2.	संविधान की पृष्ठभूमि	139
3.	संविधान के भाग	141
4.	अनुसूचियां	153
5.	प्रस्तावना	154
6.	संघ	160
7.	संसदीय समितिया	168
8.	न्यायपालिका	169
9.	राज्य	171
10.	आपतकालीन उपबंध	175
11.	जनहित याचिका	177
12.	संविधान संशोधन	179

13.	भारतीय राजव्यवस्था से संबंधित महत्वपूर्ण तथ्य	183
14.	प्रधानमंत्री एवं केन्द्रीय मंत्रिपरिषद	190
15.	भारत निर्वाचन आयोग	196
16.	नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक	198
17.	केन्द्रीय सूचना आयोग	201
18.	राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग	203
19.	लोकपाल और लोकायुक्त	206
20.	स्थानीय स्वशासन और पंचायती राज	208
❖	अन्य महत्वपूर्ण तथ्य	226
	भारतीय अर्थव्यवस्था	
1.	बजट निर्माण	231
2.	भारत में बैंकिंग	235
3.	लोक वित्त	252
4.	कर सुधार	259
5.	राष्ट्रीय आय	266
6.	आर्थिक संवृद्धि एवं विकास	274
7.	मौद्रिक नीति	279
8.	अर्थव्यवस्था के प्रमुख क्षेत्र	288
9.	हरित क्रांति	303
10.	भारत में योजनाएँ	307
	अन्य सामान्य ज्ञान	
1.	भारत के प्रमुख बांध	
2.	भारत के पक्षी अभ्यारण	
3.	भारत की जनसंख्या	
4.	भारत के प्रमुख बंदरगाह	
5.	भारत में प्रमुख नृत्य	
6.	अंतर्राष्ट्रीय सीमा रेखाएं	
7.	भारत के प्रमुख स्टेडियम	
8.	प्रमुख व्यक्ति एवं उनके उपनाम	
9.	भारत के प्रमुख स्थल एवं उनके निर्माणकर्ता	
10.	राज्य एवं उनके मुख्यमंत्री	
11.	भारत के राष्ट्रपति	

12.	भारत के प्रधानमंत्री	
13.	लोकसभा अध्यक्ष	
14.	संघ लोक सेवा आयोग के वर्तमान एवं पूर्व चेयरमैन	
15.	भारत के मुख्य निर्वाचन आयुक्त	
16.	प्रमुख उच्च न्यायालय	
17.	भारत के उच्चतम न्यायालय के मुख्या न्यायाधीश	
18.	नोबेल पुरस्कार प्राप्त भारतीय	
19.	भारत में सर्वाधिक बडा, लम्बा एवं ऊँचा	
20.	भारत में प्रथम पुरूष	
21.	यूनेस्को द्वारा घोषित भारत के विश्व धरोहर स्थल	
22.	भारत के राष्ट्रीय प्रतीक व चिन्ह	
23.	अविष्कार–अविष्कारक	
24.	अंतर्राष्ट्रीय संगठनों के महत्वपूर्ण तथ्य	
25.	प्रसिद्ध पुस्तक व उनके लेखक	
26.	खेलकूद	
27.	विश्व की प्रमुख जल संधि	
28.	प्रमुख पर्यावरण सम्मेलन	

प्रिय विद्यार्थी, टॉपर्सनोट्स चुनने के लिए धन्यवाद।

नोट्स में दिए गए QR कोड्स को स्कैन करने लिए टॉपर्स नोट्स ऐप डाउनलोड करे।

ऐप डाउनलोड करने के लिए दिशा निर्देश देखे :-

ऐप इनस्टॉल करने के लिए आप अपने मोबाइल फ़ोन के कैमरा से या गूगल लेंस से QR स्कैन करें।

टॉपर्सनोट्स एग्जाम प्रिपरेशन ऐप

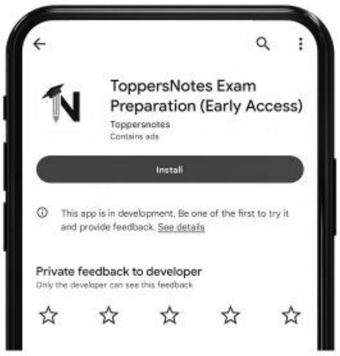

टॉपर्सनोट्स ऐप डाउनलोड करें गूगल प्ले स्टोर से।

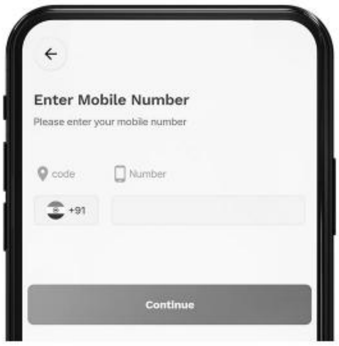

लॉग इन करने के लिए अपना **मोबाइल नंबर** दर्ज करें।

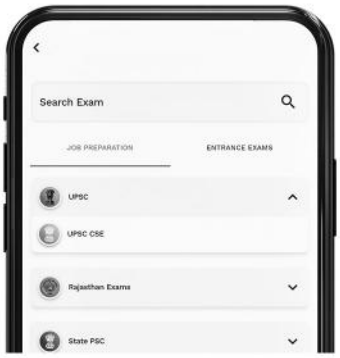

अपनी **परीक्षा श्रेणी** चुनें।

सर्च बटन पर क्लिक करें।

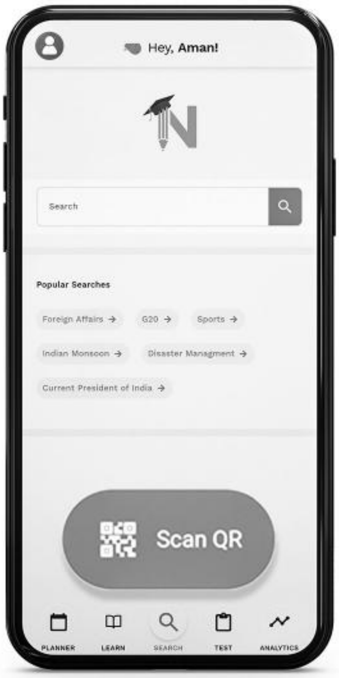

SCAN QR पर क्लिक करें।

किताब के **QR कोड को स्कैन** करें।

- सोल्युशन वीडियो
- डाउट वीडियो
- कॉन्सेप्ट वीडियो

- अतिरिक्त पाठ्य-सामग्री

- विषयवार अभ्यास
- कमजोर टॉपिक विश्लेषण

- रैंक प्रेडिक्टर
- टेस्ट प्रैक्टिस

किसी भी तकनीकी सहायता के लिए **hello@toppersnotes.com** पर मेल करें या **766 56 41 122** पर whatsapp करें।

भारत का भूगोल

भारत की स्थिति और विस्तार

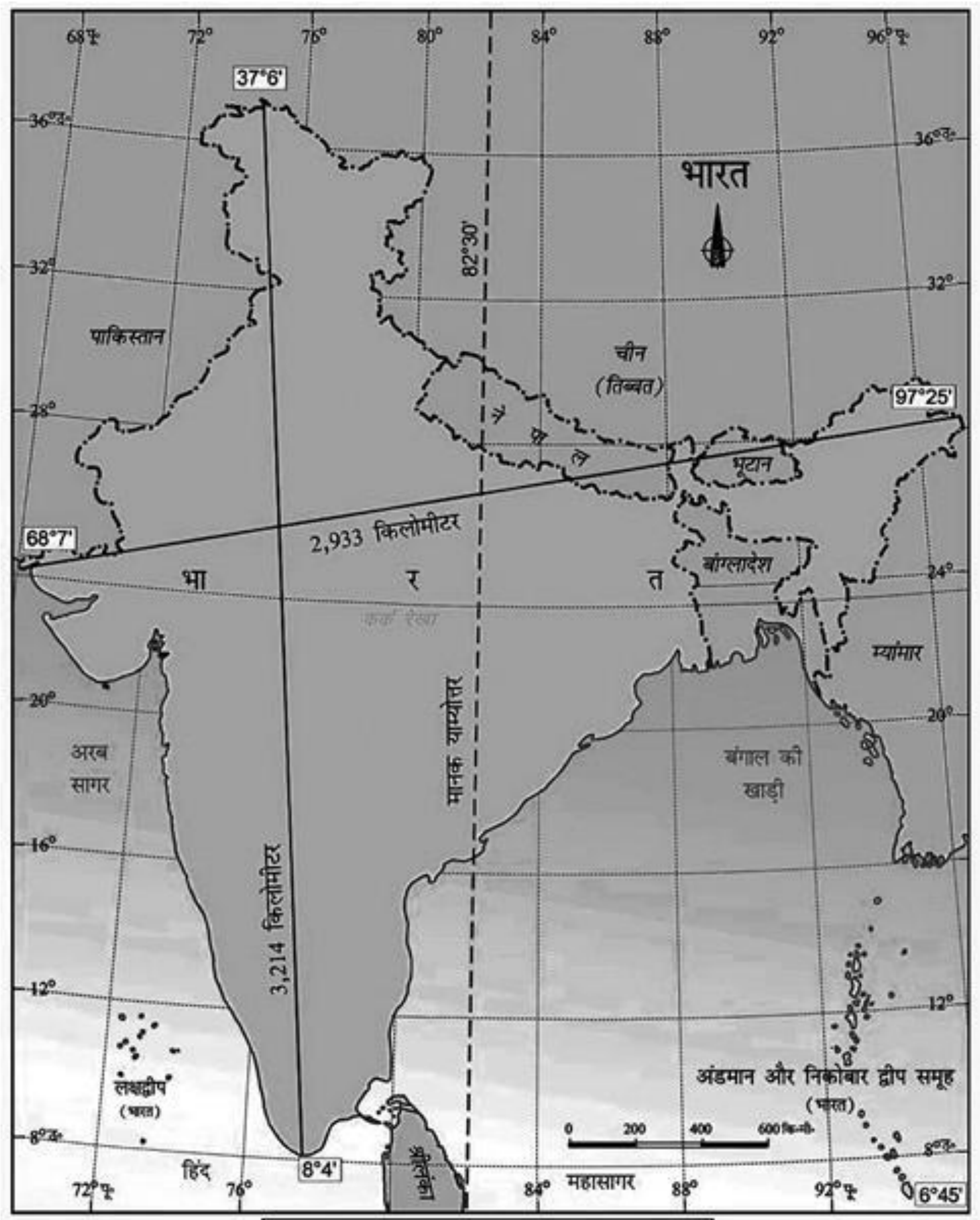

भारत – विस्तार एवं मानक समय रेखा

- **उत्तरी गोलार्ध** में स्थिति (**8°4' उत्तर से 37°6' उत्तर अक्षांश ; पूर्व 68°7 से पूर्वी देशांतर 97°25)**
- **सीमाएं :**
  - **उत्तर:** महान हिमालय
  - **पश्चिम:** अरब सागर
  - **पूर्व**: बंगाल की खाड़ी
  - **दक्षिण:** हिंद महासागर।
- विश्व का **7वां सबसे बड़ा देश।**
- **सबसे उत्तरी बिंदु :** इंदिरा कोल
- **सबसे दक्षिणी बिंदु:** अंडमान और निकोबार द्वीप समूह में इंदिरा पॉइंट।
- **सबसे पूर्वी बिंदु:** अरुणाचल प्रदेश के अंजॉ जिले में किबिथू के पास
- **पश्चिमीतम बिंदु:** कच्छ में सर क्रीक, गुजरात में "गौहर माता " के पास।
- **लंबाई:** 3214 किमी
- **चौड़ाई:** 2933 किमी (अनुदैर्ध्य अंतर: 300 या 2 घंटे)
- **क्षेत्रफल:** 32,87,263 वर्ग किमी (दुनिया का 2.42%)
- **जनसंख्या:** विश्व का दूसरा सबसे बड़ा देश (विश्व की जनसंख्या का 17.5%)
- **कुल भूमि सीमा** = 15,200 किमी।
- **कुल समुद्री सीमा =** 7516.5 किमी (बिना द्वीपों के 6100 किमी)

विश्व में स्थान	देश का नाम	
	क्षेत्रफल के अनुसार	जनसंख्या के अनुसार
प्रथम	रूस	चीन
द्वितीय	कनाडा	भारत
तृतीय	चीन	यू.एस.ए
चतुर्थ	यू. एस. ए.	इंडोनेशिया
पंचम	ब्राजील	पाकिस्तान
षष्ठ	ऑस्ट्रेलिया	नाईजीरिया
सप्तम	भारत	ब्राजील
अष्टम	अर्जेनटीना	बांग्लादेश

भारत के पाँच शीर्ष क्षेत्रफल वाले राज्य

क्र.सं.	राज्य	क्षेत्रफल (वर्ग किमी.)
1.	राजस्थान	3,42,239
2.	मध्यप्रदेश	3,08,252
3.	महाराष्ट्र	3,07,713
4.	उत्तरप्रदेश	2,40,928
5.	गुजरात	1,96,024

भारत के शीर्ष क्षेत्रफल वाले 5 जिले

क्र.सं.	जिला	राज्य	क्षेत्रफल (वर्ग किमी.)
1.	कच्छ	गुजरात	45,674
2.	लेह	लद्दाख	45,110
3.	जैसलमेर	राजस्थान	38,401
4.	बिकानेर	राजस्थान	30,247
5.	बाडमेर	राजस्थान	28,387

- सर्वाधिक राज्यों की सीमा को छूने वाला भारतीय राज्य उत्तर प्रदेश है । उत्तर प्रदेश कुल 8 राज्य एवं 1 केन्द्र शासित प्रदेश से सीमा बनाता है ।
  - उत्तराखण्ड
  - हरियाणा
  - दिल्ली (केन्द्र शासित प्रदेश)
  - हिमाचल प्रदेश
  - राजस्थान
  - मध्य प्रदेश
  - छत्तीसगढ
  - झारखण्ड
  - बिहार
- भारत के कुल 9 राज्य एवं - केन्द्र शासित प्रदेश समुद्री तट से लगे हुए हैं।

राज्य

- गुजरात
- महाराष्ट्र
- गोवा
- कर्नाटक
- केरल
- तमिलनाडु
- आंध्र प्रदेश
- उडीसा
- पश्चिम बंगाल

केन्द्र शासित प्रदेश

- लक्षद्वीप
- अण्डमान निकोबार
- दमन और दीव
- पुदुच्चेरी (पांडिचेरी)

- हिमालय को छूने वाले 9 राज्य व 2 केन्द्र शासित प्रदेश हैं ।

राज्य

- हिमाचल प्रदेश
- उत्तराखण्ड
- सिक्किम
- अरुणाचल प्रदेश
- नागालैंड
- मणिपुर
- मिजोरम
- त्रिपुरा
- मेघालय
- असम
- पश्चिम बंगाल

केंद्र शासित प्रदेश

- जम्मू कश्मीर
- लेह

- भारत के 8 राज्यों से होकर कर्क रेखा गुजरती है ।

राज्य

- गुजरात
- राजस्थान
- मध्य प्रदेश
- छत्तीसगढ
- झारखण्ड
- पश्चिम बंगाल
- त्रिपुरा
- मिजोरम

- भारत का सर्वाधिक नगरीकृत राज्य गोवा है ।
- भारत का सबसे कम नगरीकृत राज्य हिमाचल प्रदेश है ।
- भारत का मध्य प्रदेश सबसे अधिक वन वाला राज्य है ।
- भारत का हरियाणा सबसे कम वन वाला राज्य है ।

- भारत का मासिनराम (मेघालय) में सबसे अधिक वर्षा होती है ।
- भारत के केन्द्र शासित प्रदेश लेह में सबसे कम वर्षा होती है ।
- अरावली पर्वत सबसे प्राचीन पर्वत श्रृंखला है ।
- हिमालय पर्वत सबसे नवीन पर्वत श्रृंखला है ।
- पाक जलडमरूमध्य और मन्नार की खाडी श्रीलंका को भारत से अलग करती है । पाक जलमडरूमध्य को पाक जल संधि के नाम से भी जाना जाता है ।
- मेकमोहन रेखा भारत और तिब्बत के बीच में स्थित है । यह रेखा 1914 में शिमला समझौते में निर्धारित की गयी थी ।
- डूरण्ड रेखा 1893 में सर डूरण्ड द्वारा भारत और अफगानिस्तान के बीच में डूरण्ड रेखा स्थापित की गई थी । परन्तु यह रेखा अब अफगानिस्तान एवं पाकिस्तान के मध्य है ।
- भारत और पाकिस्तान के बीच रेडक्लिफ रेखा है । रेडक्लिफ रेखा का निर्धारण 17 अगस्त, 1947 को सर सिरिल रैडक्लिफ की अध्यक्षता में सीमा आयोग द्वारा किया गया था ।

1. सीमावर्ती सागर –
   - सीमावर्ती सागर क्षेत्र आधार रेखा से 12nm तक स्थित है ।
   - क्षेत्र में भारत का एकाधिकार है ।
2. संलग्न सागर –
   - संलग्न सागर क्षेत्र आधार रेखा से 24nm तक स्थित है ।
   - इस क्षेत्र में भारत के पास वित्तीय अधिकार है ।
3. अनन्य आर्थिक क्षेत्र –
   - अनन्य आर्थिक क्षेत्र आधार रेखा से 200**nm** तक स्थित है ।
   - इस क्षेत्र में भारत के पास आर्थिक अधिकार है तथा यहाँ भारत संसाधनों का दोहन, द्वीप निर्माण तथा अनुसंधान आदि कर सकता है ।
4. उच्च सागर
   - यहाँ सभी देशों का समान अधिकार होता है ।

सीमावर्ती देश

- **उत्तर-पश्चिम:** अफगानिस्तान और पाकिस्तान
  - भारत-पाकिस्तान सीमा: **रेडक्लिफ रेखा**
  - पाकिस्तान-अफगानिस्तान सीमा: **डूरंड रेखा।**
- **उत्तर**: चीन, भूटान और नेपाल
  - भारत-चीन सीमा: **मैकमोहन रेखा।**
- **पूर्व**: म्यांमार, बांग्लादेश (भारत की बांग्लादेश के साथ सबसे लंबी सीमा है)
- **दक्षिण**: पाक जलडमरूमध्य और मन्नार की खाड़ी के माध्यम से श्री लंका से अलग।

अंतर्राष्ट्रीय सीमा साझा करने वाले राज्य

- **बांग्लादेश**: कुल सीमा = 4096 किमी
  - **5 राज्य:** पश्चिम बंगाल, मिजोरम, मेघालय, त्रिपुरा और असम
- **चीन**: कुल सीमा = 3488 किमी
  - **3 राज्य** और 1 केंद्र शासित प्रदेश: हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड और सिक्किम और लद्दाख
- **पाकिस्तान** : कुल सीमा = 3323 किमी
  - **4 राज्य** और 1 केंद्र शासित प्रदेश: जम्मू और कश्मीर, पंजाब, गुजरात, राजस्थान और लद्दाख
- **नेपाल**: कुल सीमा = 1751 किमी
  - **5 राज्य**: उत्तर प्रदेश, बिहार, उत्तराखंड, सिक्किम, पश्चिम बंगाल
- **म्यांमार**: कुल सीमा = 1643 किमी
  - **4 राज्य**: अरुणाचल प्रदेश, मणिपुर, मिजोरम और नागालैंड
- **भूटान**: कुल सीमा = 699 किमी
  - **4 राज्य:** अरुणाचल प्रदेश, असम, सिक्किम और पश्चिम बंगाल
- **अफगानिस्तान**: कुल सीमा = 106 किमी
  - **1 केंद्र शासित प्रदेश**: लद्दाख

भारतीय मानक मध्याह्न रेखा:

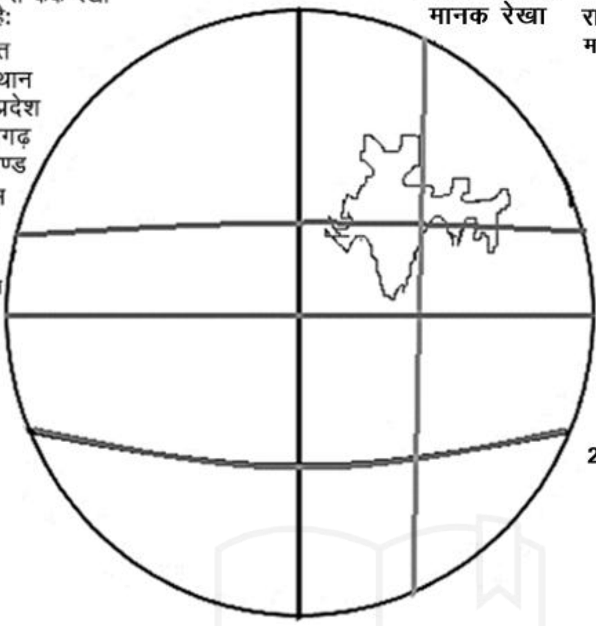

- **भारत की मानक रेखा 82°30'E देशांतर** है जो उत्तर प्रदेश के **मिर्जापुर से होकर गुजरती है** ।
- **इस** पर भारत का मानक समय आधारित है जो **ग्रीनविच मानक समय रेखा से 5 घंटे 30 मिनट आगे है** ।
- **कर्क रेखा** - (23°30′N) गुजरात , राजस्थान, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, झारखण्ड, पश्चिम बंगाल , मिजोरम, और त्रिपुरा से गुज़रती है ।

भारत का अपवाह तंत्र

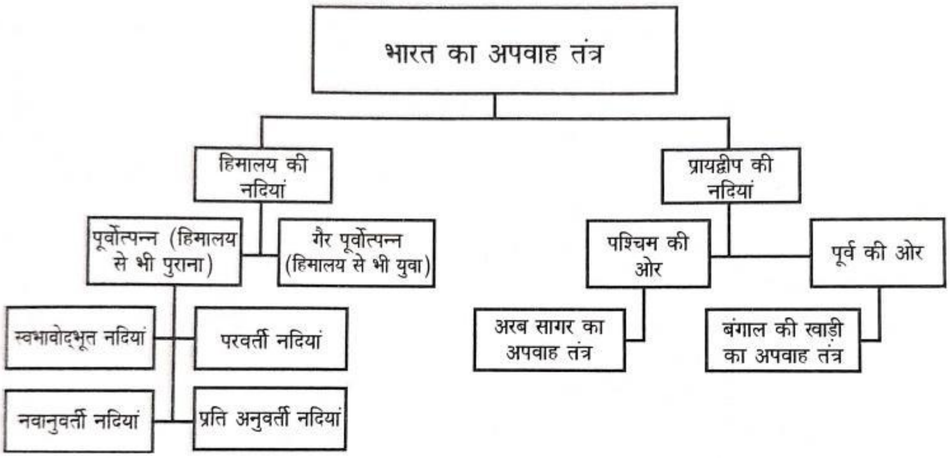

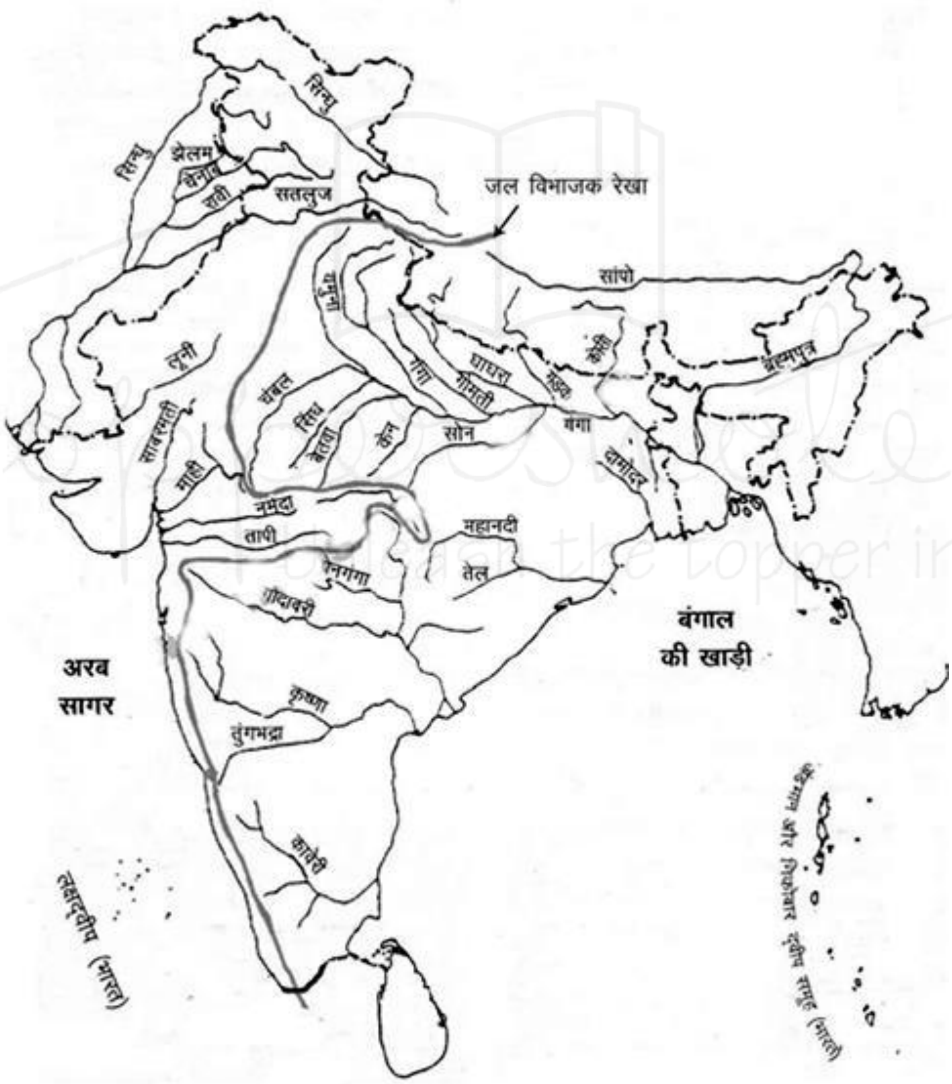

- **जलनिकास/अपवाह प्रणाली -**
  - **निश्चित वाहिकाओं** के माध्यम **से हो रहे जलप्रवाह** को **अपवाह** कहा जाता हैं। तथा इनके **सम्पूर्ण जाल** को **अपवाह प्रणाली** कहा जाता हैं।
  - नदी एंव सहायक नदियों द्वारा अपवाहित क्षेत्र को **अपवाह द्रोणी** कहा जाता हैं।

- एक अपवाह द्रोणी को दूसरी अपवाह द्रोणी से अलग करने वाली सीमा को **जलविभाजक** (watershed) कहा जाता हैं।
- यह प्राय: अपवाह द्रोणियों के मध्य स्थित **उच्च भूमि क्षेत्र** होता हैं, जिसके दोनों ओर भिन्न अपवाह पाए जाते हैं। जलविभाजक की **उच्चतम बिंदुओं** को मिलाने वाली रेखा को **जलविभाजक रेखा** कहा जाता हैं।

- **अपवाह प्रतिरूप** -
  - मुख्य रूप से **नदियों** और **घाटियों के माध्यम से** सतही जल के **प्रवाह की प्रणाली** हैं। यह अपने बहाव क्षेत्र के स्थल आकृतियाँ ढाल, अपरदन के द्वारा चट्टानों के स्वरूप ,जलवायु ,जलीय **परिवर्तनशीलता ओर भू -परिदृश्य** की **सरंचनात्मक नियंत्रण** द्वारा **निर्धारित** होता हैं।
  - **अन्य तत्व पर निर्भ**र करता है:
    - भूमि की ढलान
    - भूवैज्ञानिक संरचना
    - पानी की मात्रा
    - पानी का वेग।
    - मुख्य जल विभाजक रेखा की 2 दिशाओं में पानी मुख्य रूप से बहता है:
    - बंगाल की खाड़ी में 90%
    - 10% अरब सागर में।
- **भारतीय अपवाह तंत्र** - 3 श्रेणियां:
  - **दीर्घ नदी बेसिन**
    - जलग्रहण क्षेत्र **20000 वर्ग किमी**
    - **कुल अपवाह** का **83% भाग** हैं।
    - संख्या में **13**
  - **मध्य नदी बेसिन**
    - **2000-20000 वर्ग किमी**. का जलग्रहण क्षेत्र
    - कुल भाग का **8%**
    - संख्या में **45**
  - **लघु नदी बेसिन**
    - जलग्रहण क्षेत्र **2000 वर्ग किमी** तक।
    - कुल अपवाह का **9%**
    - भारत में **55 बेसिन**

अपवाह प्रतिरूप के प्रकार

1) पूर्ववर्ती अपवाह प्रतिरूप
2) असंगत या अक्रमबद्ध जल निकासी पैटर्न/अपवाह प्रतिरूप
3) वृक्षिय / द्रुमाक्रतिक अपवाह प्रतिरूप
4) समानांतर अपवाह प्रतिरूप
5) जालीदार अपवाह प्रतिरूप
6) आयताकार अपवाह प्रतिरूप
7) अपकेंद्रीय या अरीय प्रतिरूप
8) अभिकेंद्री प्रतिरूप
9) कोणीय प्रतिरूप
10) कांटेदार प्रतिरूप
11) कुंडलाकार / वलयाकार प्रतिरूप
12) विक्षिप्त प्रतिरूप

भारत की अपवाह प्रणाली/तंत्र

2 प्रमुख समूह

1. हिमालय अपवाह प्रणाली/ तंत्र
2. प्रायद्वीपीय अपवाह प्रणाली/ तंत्र

1. हिमालय अपवाह प्रणाली/ तंत्र

- 3 मुख्य हिमालयी नदियाँ - **सिंधु**, **गंगा** और **ब्रह्मपुत्र।**
- **लंबी** और कई **सहायक नदियों** द्वारा पोषित
- नदी + सहायक नदियाँ = **नदी प्रणाली।**

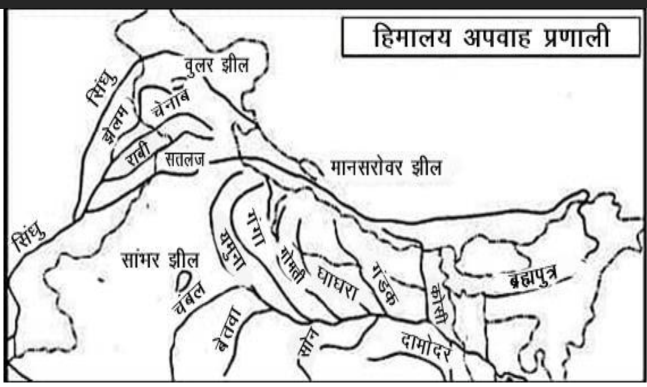

- **हिमालयी अपवाह प्रणाली का विकास**
  1. **पहला सिद्धांत:**
     - 1919 में स्वतंत्र रूप से **पास्को** और **पिलग्रिम द्वारा** दिया गया।

- **परिकल्पना**:
  - असम से पंजाब की ओर बहने वाली एक **काल्पनिक प्राचीन शक्तिशाली नदी**:
    - ✓ **ई.एच.पास्को** द्वारा इंडो-ब्रह्म नाम दिया गया। पास्को- का विचार था कि **वर्तमान सिंधु** और **ब्रह्मपुत्र मूल नदी** के अलग-अलग हिस्से हैं।
    - ✓ शिवालिक नदी के रूप में नामित ई.जी. पिलग्रिम ने माना कि आदिम नदी के मार्ग पर वर्तमान शिवालिक पहाड़ियों का कब्जा है।

2. **दूसरा सिद्धांत**
   - **ई. अहमद द्वारा** (1965 - 71) दिया गया।
   - **परिकल्पना**:
     - टेथिस **कैम्ब्रियन से इओसीन काल** तक अवसादन के बेसिन के रूप में बना रहा।
     - **प्रथम हिमालयी उत्थान :**
       - ✓ **ओलिगोसीन** युग में - **हिमालयी अपवाह** की शुरुआत हुई।
     - **द्वितीय हिमालयी उत्थान :**
       - ✓ मध्य-**मियोसीन अवधि**
     - **तृतीय हिमालयी उत्थान**
       - ✓ **प्लेइस्टोसिन** अवधि

हिमालय अपवाह तंत्र की प्रमुख नदिया:

I. सिंधु नदी प्रणाली

- **उद्गम:**
  - **मानसरोवर झील** के पास **कैलाश पर्वत श्रृंखला** में तिब्बती क्षेत्र में **बोखर चू** के पास एक ग्लेशियर से।
  - तिब्बत में इसे **सिंगी खंबान** अथवा **शेर मुख** कहा जाता हैं।
- **ऊंचाई** - 4,164 वर्ग मीटर
- **अपवाह :**
  - **उत्तर पश्चिम** की ओर बहती है और **डेमचोक** में लद्दाख में प्रवेश करती है।
  - **डुंगटी** में, नदी एक **तेज दक्षिण-पश्चिम मोड़** लेती है और **लद्दाख श्रेणी** से होकर गुजरती है।
  - सिन्धु नदी एक **उत्तर पश्चिमी जलमार्ग** धारण करती है और लद्दाख के **लेह क्षेत्र की तरफ** बहती है
  - लेह में **ज़ांस्कर नदी से मिलती** है।
  - **स्कर्दू** के पास, **श्योक 2,700 मीटर की दूरी पर** इससे मिल जाती है ।
  - स्कर्दू शहर के माध्यम से **बाल्टिस्तान क्षेत्र में प्रवेश** करता है और **गिलगित** शहर की ओर **उत्तर-पश्चिम की ओर** बहती रहती है
  - **गिलगित** में, एक दक्षिण मोड़ लेती है और फिर पश्चिम की ओर मुड़ती है और फिर पूरी तरह से पाकिस्तान के उत्तर-पश्चिमी सीमांत प्रांत (खैबर पख्तूनख्वा) में प्रवेश करती है।
  - **काबुल नदी** पाकिस्तान के **अटक** के पास सिंधु नदी में मिल जाती है।
    - **पूर्वी अफगानिस्तान** में मुख्य नदी और **पाकिस्तान** के खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में बहती हैं।
  - दक्षिण-पश्चिमी में **खैबर पख्तूनख्वा प्रांत** में बहती रहती है।
  - पाकिस्तान के पश्चिमी और दक्षिणी पंजाब प्रांत में **मैदान के माध्यम से बहती है**, पाकिस्तान के सिंध प्रांत की ओर बढ़ती रहती है।
  - **मिथनकोट** के ठीक ऊपर, पंजनद (**पंचनाद**) **से पानी** प्राप्त करता है - झेलम, चिनाब, रावी, व्यास और सतलुज।
  - **सिंधु** नदी बहुत **अधिक तलछट** जमा करती है और कराची के पास **अरब सागर में गिरने से पहले सिंधु नदी का डेल्टा** बनाती है।
  - **अंधी डॉल्फिन** केवल सिंधु नदी में पाई जाती है।
  - **दाहिने किनारे की सहायक नदियाँ:** श्योक, गिलगित, हुंजा, नुब्रा, काबुल, खुर्रम, तोची, गोमल, संगर, कुनार
  - **बाएँ किनारे की सहायक नदियाँ:** ज़ांस्कर, सुरु, सोन, झेलम, चिनाब, रावी, व्यास , सतलुज नदियाँ।

सिंधु नदी प्रणाली से संबंधित प्रमुख नदियां

श्योक नदी	• **उद्गम** स्थल: काराकोरम रेंज के रिमो ग्लेशियर से। • उत्तरी **लद्दाख क्षेत्र** से होकर बहती है। • **लंबाई**: 550 किमी। • **सिंधु नदी** की सहायक नदी जो **दाहिने तट पर मिलती** हैं। • **नुब्रा** नदी **श्योक नदी की सहायक नदी** हैं जो नुब्रा घाटी में मिलती हैं।

	• **काराकोरम पर्वतमाला** के दक्षिण पूर्व • **काराकोरम पर्वतमाला** के दक्षिण पूर्वी किनारे को **वी-आकार का मोड़** बनाकर बहती है।
नुब्रा नदी	• श्योक नदी की **मुख्य सहायक** नदी। • **उत्पत्ति**: नुब्रा ग्लेशियर से • लद्दाख रेंज के आधार प**र श्योक नदी** में मिलने के लिए दक्षिण-पूर्व की ओर मुड़ जाती हैं| • **नुब्रा घाटी**- 3048 मी - नुब्रा नदी से बनी • **जलग्रहण क्षेत्र** - ऊंचाई और वर्षा की कमी के कारण वनस्पति और मानव निवास से रहित हैं|
शिगर नदी	• सिंधु की एक **छोटी दाहिनी तट सहायक नदी** हैं| • **लद्दाख क्षेत्र** से होकर बहती हैं| • **हिस्पर ग्लेशियर** से निकलती हैं| • **स्कर्दू** (गिलगित - बल्तिस्तान) में **सिंधु** से मिलती हैं| • **बहुत तीव्र ढाल** से नीचे उतरती हैं| • **हिमनदों** की क्रिया से **प्रभावित जलग्रहण क्षेत्र।**
गिलगित नदी	• सिंधु की **दाहिने तट की सहायक नदी** हैं| • **लद्दाख क्षेत्र** से होकर बहती हैं| • **हिमालय** की **चरम उत्तर-पश्चिम सीमा** के **निकट** एक **ग्लेशियर** से निकलती हैं| • **जलग्रहण क्षेत्र** : सुनसान और उजाड़ या वनस्पति रहित हैं|
हुंजा नदी	• गिलगित की एक महत्वपूर्ण **बाएं किनारे की सहायक नदी** हैं| • **जम्मू -कश्मीर** के **उत्तर -पश्चिम** हिस्से में काराकोरम रेंज के उत्तर में एक ग्लेशियर से निकलती हैं|
ज़ांस्कर नदी	• सिंधु की एक महत्वपूर्ण **बायीं** ओर से मिलने वाली **सहायक नदी** हैं| • **विरल मानव बस्तियाँ**|
चिनाब नदी	• **उद्गम** स्थल: ज़ांस्कर रेंज के लाहौल-स्पीति में बरलाचा दर्रा के पास से होता हैं| • **तांदी** (हिमाचल प्रदेश के लाहौल और स्पीति जिले) में **चंद्रा** और **भागा** नदियों के **संगम** द्वारा निर्मित| ○ ऊपरी भाग **चंद्रभागा** के नाम से भी जाना जाता हैं| • जम्मू क्षेत्र के माध्यम से **पाकिस्तान में पंजाब के मैदानों में बहती** है • **सिंधु जल संधि** के तहत पाकिस्तान को जल आवंटित किया गया हैं| • इस नदी पर **बगलिहार बांध** स्थित हैं| • दुनिया के **सबसे ऊंचा रेलवे पुल** जो **चिनाब ब्रिज** के नाम से जाना जाता हैं के द्वारा जम्मू -कश्मीर में बना हैं|
झेलम नदी	• **चिनाब** की **सहायक नदी** • **लंबाई** - 813km • **उत्पत्ति**: कश्मीर की घाटी के एस-ई भाग में पीर पंजाल की तलहटी में वेरीनाग में एक झरने से। • **सबसे बड़ी सहायक नदी**- किशनगंगा (नीलम)। • सिंधु जल संधि के तहत **पाकिस्तान को जल आवंटित |** • पाकिस्तान में चिनाब के साथ संगम पर समाप्त होती
किशनगंगा नदी	• **उद्गम** स्थल: जम्मू -कश्मीर के कारगिल जिले में द्रास से| • **नियंत्रण रेखा**(Line of Control) के पास **भारत से पाकिस्तान में प्रवेश** करती है और फिर **पश्चिम की ओर** चलती है जब तक कि यह **झेलम से** नहीं **मिलती** हैं| • **नीलम** के नाम से भी जानी जाती है जो ठंडे पानी के कारण या इस क्षेत्र में पाए जाने वाले कीमती पत्थर "माणिक (नीलम)" के कारण भी जाना जाता हैं| • **ट्राउट मछली** के लिए **प्रसिद्ध** हैं|
रावी नदी	• **उद्गम**: हिमाचल प्रदेश के चंबा जिले में धौलाधार श्रेणी से होता हैं| • हिमाचल प्रदेश में **रोहतांग दर्रे** के पास **कुल्लू पहाड़ियों** में **स्रोत** हैं| • **उत्तर पश्चिमी ढलान** का अनुसरण करती हैं| • एक **बारहमासी नदी** जिसकी कुल लंबाई - 720km • **सिंधु जल संधि** के तहत भारत को जल आवंटित किया गया हैं| • इस नदी पर **रंजीत सागर बांध** (उर्फ थीन बांध) स्थित हैं| • **दाहिने किनारे की सहायक नदियाँ -** बुढ़िल, तिंडाहन बेलजेडी, साहो और सोल नदी**|** • **बाएँ किनारे की प्रमुख सहायक नदी -** चिरचिन्द नाला।
सतलुज नदी	• उर्फ **लाल नदी।** • **उद्गम**: मानसरोवर झील के पास कैलाश पर्वत के दक्षिणी ढलान में रकास झील से होता हैं|

Unleash the topper in you

	• **शिपकी ला** दर्रे से हिमाचल प्रदेश में प्रवेश करती है और किन्नौर, शिमला, कुल्लू, सोलन, मंडी और बिलासपुर जिलों से होते हुए **दक्षिण-पश्चिम दिशा** में बहती है। • विश्व का **सबसे ऊँचा गुरुत्वाकर्षण बाँध-** भाखड़ा नांगल बाँध, इसी नदी पर बना है। • **सिंधु जल संधि** के तहत भारत को जल आवंटित किया गया हैं। • मुख्य रूप से **बिजली उत्पादन** और **सिंचाई** के लिए **उपयोग** किया जाता है
ब्यास नदी	• **सिंधु** नदी प्रणाली की एक **महत्वपूर्ण नदी** हैं। • हिमाचल प्रदेश में **रोहतांग दर्रे** के पास **व्यास कुंड** से निकलती है। • पाकिस्तान में प्रवेश करने से पहले **हरिके पत्तन (पंजाब) में** सतलुज नदी में विलीन हो जाती है • **कुल लंबाई** - 460 किमी - हिमाचल प्रदेश में प्रवेश कर 256 किमी की दूरी तय करती है।

II. गंगा नदी प्रणाली

- **अलकनंदा**, **मंदाकिनी**, **नंदाकिनी**, **भागीरथी**, **धौली गंगा** , **पिंडर** और उनके संगम से निर्मित।
- **उद्गम** स्थल: गौमुख के गंगोत्री ग्लेशियर की तलहटी, (3892 मी) से होता यहाँ इसका नाम भागीरथी रहता हैं।
- **देवप्रयाग** में **भागीरथी** ,**अलकनंदा** से मिलती है जहाँ **इसका नाम गंगा** हो जाता हैं।
- 350 किमी चौड़े **गंगा डेल्टा** में अलग -अलग धारा में बहती हैं।
- गंगा नदी ब्रह्मपुत्र के साथ मिलकर **विश्व के सबसे बड़े डेल्टा सुंदरवन** का निर्माण करती हैं।
- **बंगाल** की **खाड़ी** में गिरती है।
- **इलाहाबाद** में **यमुना से मिल** जाती हैं।
- **राजमहल** की **पहाड़ियों** के निकट **दक्षिण-पूर्व की ओर मुड़ती** हैं।
- पश्चिम बंगाल के **फरक्का** में, **भागीरथी-हुगली** और **बांग्लादेश** में **पद्मा-मेघना** में विभाजित होती हैं।
- ब्रह्मपुत्र/जमुना **बांग्लादेश** के **चांदपुर में पद्मा-मेघना** से मिलती है।
- स्रोत से उसके मुहाने तक की **कुल लंबाई** - 2,525 किमी
- **अलकनंदा** का **उद्गम** बद्रीनाथ के ऊपर **सतोपंथ ग्लेशियर** से होता है।
- **गंगा** एव इसकी **सहायक नदियाँ** मिल कर **पंच प्रयाग** का निर्माण करती हैं।

पंच प्रयाग

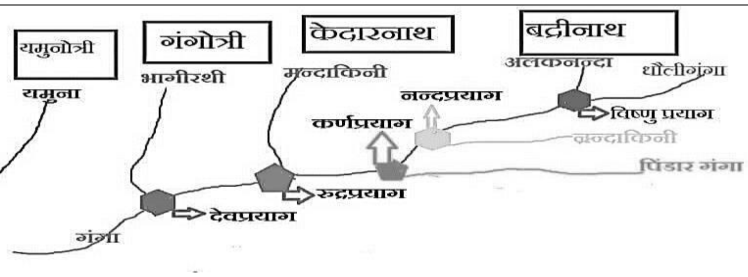

विष्णुप्रयाग	अलकनंदा + धौली गंगा	**रुद्रप्रयाग**	अलकनंदा + मंदाकिनी
नंदप्रयाग	अलकनंदा + मंदाकिनी	**देवप्रयाग**	अलकनंदा + भागीरथी = गंगा
कर्णप्रयाग	अलकनंदा + पिंडर		

प्रमुख सहायक नदियाँ

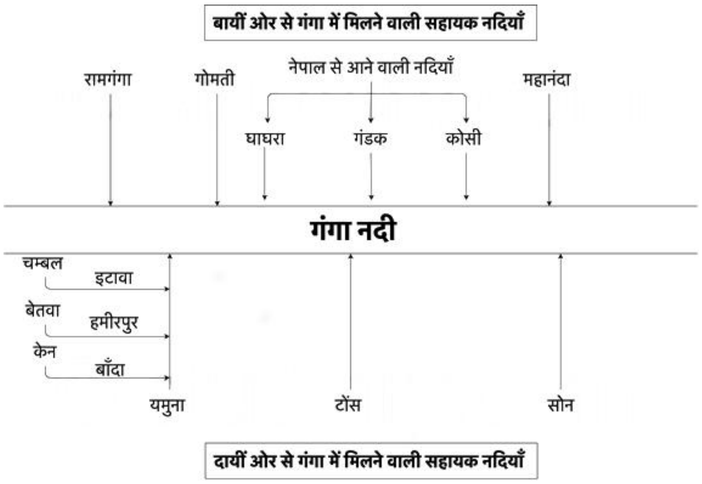

गंगा-ब्रह्मपुत्र डेल्टा

- बंगाल की खाड़ी में प्रवेश करने से पहले **गंगा + ब्रह्मपुत्र, विश्व का सबसे बड़ा डेल्टा** बनाती है।
- **भागीरथी/हुगली** और **पद्मा/मेघना** के बीच **स्थित** हैं |
- **क्षेत्रफल** - 58,752 वर्ग किमी।
- **तटरेखा** अत्यधिक **दांतेदार** हैं ।
- मुख्य भाग **उच्च ज्वार** के दौरान **समुद्री जल से भरा** एक **निचला दलदल** है।

प्रमुख बाएँ किनारे की सहायक नदियाँ

रामगंगा	• **गंगा** नदी की **सहायक** नदी। • **दक्षिण-पश्चिम कुमाऊं** में धारा के रूप **बहती** हैं । • **उद्गम** स्थल: उत्तराखंड के चमोली में दूधातोली पहाड़ी के दक्षिणी ढलान से । • **भूमिगत जल भण्डारो** से झरनों द्वारा सिंचित । • **प्रमुख भू-आकृतिक विशेषताएं:** छिन्न-भिन्न घुमाव , युग्मित और अयुग्मित छत , अंतर्ग्रन्थित पर्वतप्रक्षेप , झरने, संचरात्मक चट्टान , चट्टानें, और विशाल लकीरें बनाती हैं • **कॉर्बेट नेशनल पार्क** की **दून** घाटी से होकर बहती है। • **कन्नौज** के पास **गंगा से मिलती** है।
गोमती	• **उत्पत्ति**: उत्तर प्रदेश के पीलीभीत के माधो टांडा के पास गोमत ताल (उर्फ फुलहार झील) से होती हैं | • **गाजीपुर** में **गंगा** से मिलती है। • प्रसिद्ध **मार्कण्डेय महादेव मंदिर** स्थित हैं | • सबसे महत्वपूर्ण **सहायक नदी** - साई नदी (जौनपुर के निकट संगम)
घाघरा/ कर्णाली नदी	• **उत्पत्ति**: मैपचाचुंगो के हिमनदों में। • **स्रोत**: तिब्बत में मानसरोवर के दक्षिण में गुरला मांधाता चोटी के पास हुआ हैं| • **ट्रांस-हिमालयी मूल** से उत्पन • **नेपाल में हिमालय से होकर बहती** है। • भारत में **ब्रह्मघाट पर शारदा से मिलती** हैं | • गंगा की **प्रमुख बाएं किनारे की सहायक नदी** (बिहार में छपरा में संगम)। • **अयोध्या से** हो कर बहती हैं | • **लंबाई**: 1080 किमी
काली	• ट्रांस-हिमालय के **ऊंचे ग्लेशियरों से निकलती** है। • **नेपाल** और **कुमाऊं के बीच** सीमा बनाती है। • **टनकपुर** के पास मैदानी इलाकों में पहुंचने के बाद **शारदा के नाम से जानी जाती** हैं।
सरयू/सरजू	• **उत्तर प्रदेश** से होकर बहती है। • **उद्गम**: उत्तराखंड में बागेश्वर जिले के नंदा कोट पर्वत के दक्षिण में एक शृंखला से। • **घाघरा** की बायीं ओर की **सहायक** नदी।
राप्ती	• इसका नेपाल में पश्चिमी धौलागिरी और महाभारत श्रेणी के मध्य एक प्रमुख **पूर्व-पश्चिम कटक रेखा** के **दक्षिण में उद्गम** होता है • **भूमिगत जल** से **सिंचित** | • बार-बार आने वाली **बाढ़** के कारण इसे **"गोरखपुर का शोक"** कहा जाता हैं	
गंडक	• **काली** और **त्रिसुली** नदियों का **संगम**। • सोनपुर में **पटना के सामने गंगा नदी** में मिल जाती है। • **बूढ़ी गंडक** गंडक नदी के समानांतर पूर्व में बहती है। • **ऊपरी जलग्रहण क्षेत्र:** धूमिल और उजाड़ (हिमालय का वर्षा छाया क्षेत्र)।

	• **मध्य और निचले पाठ्यक्रम-** वी-आकार की घाटियाँ, छिन्न-भिन्न मेन्डर्स, और दोनों तरफ युग्मित और अप्रकाशित छतें हैं।
बूढ़ी गंडक	• **उत्पत्ति**: चौतर्वा चौर से बिसंभरपुर, पश्चिम चंपारण, बिहार के पास • एक पुराने चैनल में **गंडक नदी के समानांतर पूर्व में** बहती है। • नदी पर **कोई बड़ी या मध्यम परियोजना** नहीं
कोसी/ सप्तकोशी	• उर्फ **सप्तकोशी** (7 हिमालयी सहायक नदियाँ हैं) • **नेपाल और भारत** से दोनों ओर बहने वाली **पूर्ववर्ती नदी** हैं। • **गंगा** की **सबसे बड़ी सहायक नदियों** में से एक (कठियार जिले के कुर्सेला में संगम) हैं। • **जलग्रहण क्षेत्र**: माउंट एवरेस्ट और कंचनजंगा। • **अस्थिर प्रकृति** हैं जिस कारण इसे **"बिहार का शोक"** कहा जाता हैं।

प्रमुख दाहिने किनारे की सहायक नदियाँ

सोन	• **उद्गम**: मध्य प्रदेश में अमरकंटक के पास, नर्मदा नदी के हेडवाटर के पूर्व में • नर्मदा घाटी का विस्तार **सोन की निचली घाटी** में हुआ हैं। • **सहायक नदियों:** • **दाएं** – गोपद नदी, रिहंद नदी, कन्हार नदी, उत्तरी कोयल नदी • **बाएं** - घग्गर नदी, जोहिला नदी, छोटी महानदी नदी • **प्रमुख सहायक नदियाँ -** रिहंद और उत्तरी कोयल।
टोंस नदी	• यमुना की **सबसे लंबी सहायक नदी** हैं। • उत्तरांचल के **पश्चिमी भाग गढ़वाल** से होकर **बहती** है। • देहरादून, उत्तराखंड के पास कालसी के नीचे यमुना में मिलती है। • सबसे **प्रमुख बारहमासी भारतीय हिमालयी नदियों** में से एक हैं। • **यमुना** की **सबसे बड़ी सहायक** नदी।
रिहंद	• **उद्गम**: मतिरंगा पहाड़ियों से (मैनपाट पठार के दक्षिण-पश्चिम में) • **सोनभद्र**, **उत्तर प्रदेश** में सोन से मिलती हैं। • **जलविद्युत उत्पादन** के लिए रिहंद नदी पर **रिहंद बांध** ○ बांध के **जलाशय** को **गोविंद बल्लभ पंत सागर** के नाम से जाना जाता है।
उत्तर कोयल	• **रांची पठार** से **उद्धगम** होता है और **रुड(rud) के पास नेतरहाट** के नीचे पलामू भाग में प्रवेश करती हैं। • **बेतला राष्ट्रीय उद्यान** के उत्तरी भाग से होकर गुजरती है
यमुना	• **सबसे बड़ी** और सबसे **पश्चिमी महत्वपूर्ण सहायक** नदी। • **उत्पत्ति**: उत्तराखंड में गढ़वाल क्षेत्र में बन्दरपूँछ चोटी पर यमुनोत्री हिमनद (6,000 मीटर)से होती हैं। • **हरियाणा ओर उत्तर प्रदेश** की **नहरों** का **प्रमुख स्रोत** हैं। • **त्रिवेणी संगम, इलाहाबाद (प्रयागराज)** के पास गंगा में विलीन हो जाती है। • भारत की राजधानी **नई दिल्ली, आगरा एवं मथुरा** इसी के किनारे बसे है • सहायक नदियाँ: **बेतवा, धसन, चंबल, सिंध, केन, हिंडन, गिरि**

III. ब्रह्मपुत्र नदी प्रणाली

- दुनिया की **सबसे बड़ी नदियों में से एक।**
- **तिब्बत** में **यारलुंग त्संगपो** के नाम से जानी जाती हैं।
- **भारत** में **सियांग** और **दिहांग** के नाम से प्रवेश करती है।
- **उद्गम स्रोत**: मानसरोवर झील के पास कैलाश श्रेणी का **अंगसी हिमनद** से होता हैं।
- **गंगा** के साथ एक **विशाल डेल्टा** बनाने के बाद बंगाल की खाड़ी में गिरती है।
- **जलमार्ग :-**
    - **तिब्बत**- हिमालय के समानांतर लगभग 1,200 किमी तक चलती है।
    - दक्षिण में मुड़ती है और **नमचा बरवा** के पास हिमालय के माध्यम से एक गहरी घाटी/ गहरे **महाखड्ड** का **निर्माण** करती हैं।
    - **दिहांग** के नाम से **भारत में प्रवेश** करती है।
    - **सादिया** - उत्तर से आने वाली **दिबांग** और पूर्व से आने वाली **लोहित** इसमें **मिलती** हैं।
    - **असम घाटी** में **प्रवेश** करता है जहाँ यह **ब्रह्मपुत्र** नाम से जानी जाती हैं।
    - **पश्चिम** में **धुबरी** तक बहती है और आगे नीचे, **दक्षिण** की ओर बहती है और बांग्लादेश में प्रवेश करती है।
- ब्रेडेड चैनल (**गुंफित जलमार्ग**) के रूप में बहती हैं।

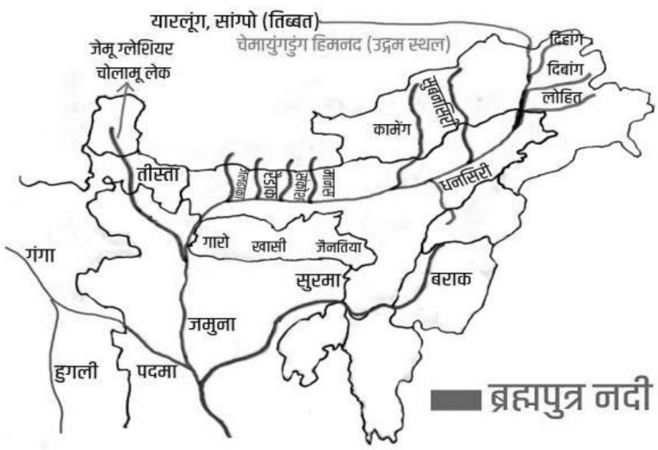

ब्रह्मपुत्र के क्षेत्रीय नाम

क्षेत्र	नाम
तिब्बत	त्संगपो (जिसका अर्थ है 'शोधक')
चीन	यारलुंग जांग्बो जियांगिन
असम घाटी	दिहांग या सिओंग, सादिया के दक्षिण में: ब्रह्मपुत्र
बांग्लादेश	जमुना नदी
बांग्लादेश	पद्मा नदी: गंगा और ब्रह्मपुत्र का संयुक्त जल
बांग्लादेश	मेघना: पद्मा और मेघना के संगम से

- **बाएँ किनारे की सहायक नदियाँ:**
  - ल्हासा नदी
  - न्यांग नदी
  - पारलुंग ज़ांगबो
  - लोहित नदी
  - धनसिरी नदी
  - कोलोंग नदी

- **दाहिने किनारे की सहायक नदियाँ:**
  - कामेंग नदी
  - मानस नदी
  - बेकी नदी
  - रैदक नदी
  - जलढाका नदी
  - तीस्ता नदी
  - सुबनसिरी नदी

2. प्रायद्वीपीय अपवाह तंत्र

- हिमालय की नदियों से **अधिक पुरानी {असंगत} नदी प्रणाली** हैं |
- ऊपरी प्रायद्वीप क्षेत्र में **कुछ नदियों को छोड़कर** मुख्य रूप से **समवर्ती।**
- **गैर-बारहमासी** नदियाँ- वर्षा ऋतु में अधिकतम निर्वहन होती हैं |
- **परिपक्व** अवस्था में (नदी सम्बन्धी भू आकृतिया) और लगभग अपने आधार स्तर तक पहुँच चुके हैं (लंबवत अपरदन नगण्य है)।
- **पश्चिमी घाट** द्वारा मुख्य **जल विभाजन** किया जाता हैं |
- कम ढाल के कारण **पानी का कम वेग** और **धाराओं** की भार **वहन क्षमता** भी **कम** हो गयी हैं |
- **पूर्व की ओर** बहने वाली नदियाँ- महानदी, गोदावरी, कृष्णा और कावेरी - डेल्टा बनाती हैं।
- **पश्चिम की ओर बहने** वाली नदियाँ- नर्मदा और तापी - मुहाना बनाती हैं।

- **बंगाल की खाड़ी** में गिरने वाली नदियाँ: महानदी, गोदावरी, कृष्णा, कावेरी।

- **अरब सागर** में गिरने वाली नदियाँ: नर्मदा, तापी, माही।
- नदियाँ जो **गंगा** में मिलती हैं: चंबल, बेतवा, केन, सोन और दामोदर

- **प्रायद्वीपीय अपवाहतंत्र का विकास:**
  - **प्रथम सिद्धांत:**
    - **सह्याद्री-अरावली** अक्ष - अतीत में मुख्य जल विभाजन।
    - मौजूदा **प्रायद्वीप** - एक बड़े भूभाग का शेष आधा।
    - **पश्चिमी घाट** - इस भूभाग के मध्य में स्थित हैं|
    - **अपवाह** - पूर्व की ओर बंगाल की खाड़ी में गिरती है और पश्चिम की ओर अरब सागर में गिरती है।
    - **प्रायद्वीप** का **पश्चिमी भाग** टूट कर **अरब सागर में** डूब गया।
    - **भारतीय प्लेट** का **टकराव** → प्रायद्वीपीय भाग कुछ क्षेत्रों में कम हो गया जिससे दरार पैदा हो गई।
    - **पश्चिम** की ओर बहने वाली **नर्मदा** और **तापी** इन दरारों से होकर बहती हैं।
    - **सीधी तटरेखा**, **पश्चिमी घाट** की **खड़ी** पश्चिमी **ढलान** और पश्चिमी तट पर **डेल्टा** संरचनाओं की **अनुपस्थिति** इस सिद्धांत की एक संभावना को व्यक्त करती है।
  - **द्वितीय सिद्धांत:**
    - पश्चिम की ओर बहने वाली **प्रायद्वीपीय नदियाँ** स्वयं द्वारा **निर्मित घाटियों में नहीं बहती** हैं।
      - ✓ **विंध्य** के **समानांतर** चलने वाली **चट्टानों में दो भ्रंश।**
    - **हिमालय** की **विप्लव** के दौरान **प्रायद्वीप** के **उत्तरी** भाग के **मुड़ने** के कारण।
    - **प्रायद्वीप ब्लॉक**, **भ्रंशो** के **दक्षिण** में, **थोड़ा पूर्व की ओर** झुका हुआ → बंगाल की खाड़ी की ओर नदी का जल निकासी।
    - **आलोचना**:
      - ✓ झुकने से **नदी घाटियों का ढाल बढ़** जाना चाहिए था और **नदियों का कायाकल्प** हो जाना चाहिए था।
      - ✓ जलप्रपात जैसे कुछ अपवादों को छोड़कर **प्रायद्वीप में अनुपस्थित** हैं|

प्रमुख प्रायद्वीपीय नदियाँ

I. गोदावरी

- **प्रायद्वीपीय** भारत की **दूसरी सबसे बड़ी नदी** हैं|
- इसे **दक्षिण गंगा** या वृद्ध (पुरानी) गंगा भी कहा जाता हैं|
- **मौसमी नदी** - ग्रीष्मकाल के दौरान सूख जाती है, और मानसून के दौरान चौड़ी हो जाती है।
- **उद्गम**: नासिक के निकट त्र्यंबकेश्वर, महाराष्ट्र में ।
- दक्षिण-मध्य भारत में **दक्षिण-पूर्व** की ओर बहती है।
- **राज्य**: मध्य प्रदेश, तेलंगाना, आंध्र प्रदेश और ओडिशा।
- **बंगाल की खाड़ी** में गिरती है।
- राजमुंदरी में **उपजाऊ डेल्टा** बनाती है।
- एशिया का **सबसे बड़ा रेल-सह-सड़क पुल** जो इस पर **कोवुर और राजामुंद्री** को जोड़ता है।

बाएँ किनारे की सहायक नदियाँ	दायां किनारा
• बाणगंगा • कडवा • शिवना • पूर्णा • कदम • प्राणहिता • इंद्रावती • तलिपेरु • सिलेरु • साबरी	• नासर्दी • डरना • प्रवरा : • सिंधफणा नदी, • मंजरा • मानेर /मनेर • किन्नेरासनी

- **गोदावरी नदी पर परियोजनाएं:**
  - श्रीराम सागर, गोदावरी बैराज, ऊपरी पेंगंगा, जायकवाड़ी, ऊपरी वैनगंगा, ऊपरी इंद्रावती, ऊपरी वर्धा।
  - **जारी परियोजनाएं** - प्राणहिता-चेवेल्ला और पोलावरम।
- **गोदावरी बेसिन में उद्योग**
  - **प्रमुख शहरी केंद्र** - नागपुर, औरंगाबाद, नासिक, राजमुंदरी।
  - ज्यादातर **कृषि उपज पर आधारित** - धान-कुटाई, कपास कताई और बुनाई, चीनी और तेल निष्कर्षण।
  - **सीमेंट** और कुछ छोटे **इंजीनियरिंग उद्योग** भी मौजूद हैं।

- **गोदावरी-कावेरी लिंक परियोजना**
  - गोदावरी और कावेरी नदियों की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए गोदावरी बेसिन के इंद्रावती उप-बेसिन में **247 हजार मिलियन क्यूबिक फीट** (tmcft) **अप्रयुक्त पानी का व्यपवर्तन** होता हैं।
  - **कृष्णा, पेन्नार** और **कावेरी घाटियों** की मांगों को पूरा करने के लिए **गोदावरी नदी से नागार्जुन सागर बांध** बनाया गया और आगे **दक्षिण की ओर** मोड़ दिया गया।
  - **आंध्र प्रदेश** के प्रकाशम, नेल्लोर, कृष्णा, गुंटूर और चित्तूर जिलों में 3.45 से **5.04 लाख हेक्टेयर में सिंचाई की सुविधा** प्रदान करता हैं|

II. कृष्णा नदी

- दूसरी सबसे बड़ी **पूर्व** की ओर बहने **वाली प्रायद्वीपीय नदी।**
- **उत्पत्ति**: महाबलेश्वर।
- **राज्य**: महाराष्ट्र, कर्नाटक, तेलंगाना, आंध्र प्रदेश
- मानसून के दौरान भारी **मिट्टी के कटाव का कारण** बनती है।
- **बालाघाट** श्रेणी (उत्तर), **पूर्वी घाट** (दक्षिण और पूर्व), और **पश्चिमी घाट** (पश्चिम) **से घिरा** है।
- **कुल लंबाई- 1**,400 किमी।
- अंत: में **बंगाल की खाड़ी में गिरती** है।
- **प्रमुख बांध-** अलमट्टी बांध, श्रीशैलम बांध, नागार्जुन सागर बांध और प्रकाशम बैराज।
- **दायां किनारा:** वेन्ना, कोयना, पंचगंगा, दूधगंगा, घटप्रभा, मालाप्रभा और तुंगभद्रा
- **बाया किनारा:** भीमा,दिंडी , पेद्दावागु हलिया, मूसी, पलेरू और मुन्नेरू

प्रमुख सहायक नदियाँ

- भीम, मूसी, कोयना, पंचगंगा, दूधगंगा, घटप्रभा, मालप्रभा, तुंगभद्रा
- **प्रमुख परियोजना:**
  - **तुंगभद्रा परियोजना**
  - **श्रीशैलम परियोजना**
  - **नागार्जुन सागर बांध**
  - **प्रकाशम बैराज**
  - **घटप्रभा परियोजना**
  - **भीमा परियोजना**
- **संसाधन**
  - **समृद्ध खनिज** भंडार।
  - **औद्योगिक गतिविधियाँ**- लोहा और इस्पात, सीमेंट, गन्ना वनस्पति तेल निष्कर्षण, और चावल मिलिंग/धान-कुटाई|
- **उद्योग**
  - **प्रमुख शहरी केंद्र-** पुणे, हैदराबाद (ऑटोमोबाइल और आईटी हब)
- **सूखा और बाढ़**
  - **रायलसीमा क्षेत्र-**आंध्र प्रदेश; बेल्लारी, रायचूर, धारवाड़, चित्रदुर्ग, बेलगाम, और बीजापुर- कर्नाटक और पुणे, शोलापुर, उस्मानाबाद, और अहमदाबाद-महाराष्ट्र - सूखा प्रवण क्षेत्र।
  - **बाढ़ प्रवण डेल्टा क्षेत्र।**
  - गाद जमा होने के कारण **डेल्टा क्षेत्र में नदी तल का उठाव** - चैनल (मार्ग) की वहन क्षमता में कमी

III. नर्मदा

- प्रायद्वीपीय भारत की **पश्चिम में बहने वाली सबसे बड़ी** (1312 किमी) **नदी।**
- **भारत** की **सबसे बड़ी भ्रंश घाटी नदी।**
- **भारत** में **सबसे बड़ा नदी मुहाना** हैं।
- **विंध्य श्रेणी** (उत्तर) और **सतपुड़ा श्रेणी** (दक्षिण) के माध्यम से एक **भ्रंश घाटी के बीच में से पश्चिम की ओर** बहती है।
- मध्य प्रदेश में **अमरकंटक के पास मैकला श्रेणी** से निकलती है।
- **राज्य**- गुजरात, महाराष्ट्र और मध्य प्रदेश
- **जलप्रपात**: कपिलधारा, दुग्धधारा, धुंआधार , मंधार, दर्दी, सहस्त्रधारा|
- **प्रमुख परियोजना :**
  - सरदार सरोवर- (भरूच), गुजरात- नर्मदा नदी में सबसे बड़ी परियोजना हैं।
  - इंदिरा सागर-खंडवा, मध्य प्रदेश में सबसे बड़ा बांध हैं
  - ओंकारेश्वर-खंडवा,
  - महेश्वर-खरगोन,
  - बरगी- जबलपुर,
  - तवा बांध- होशंगाबाद।
- **बेसिन** - 98,796 वर्ग कि.मी.
- **सबसे बड़ा द्वीप:** अलीया बेट ।
- **आंशिक** रूप से **नौगम्य**
- **सहायक नदियाँ** :

Toppersnotes Unleash the topper in you

बाएं किनारें की सहायक नदियाँ	**दाहिने किनारें कीसहायक नदियाँ**
बुढनेर नदी, बंजर, शेर, शक्कर, दूधी, तवा, गंजाल, कुन्दा, गोई, कर्जन	हिरदन, तिन्दोनी, बारना, कोलार, मान, उरी, हथनी, ओरसांग

IV. महानदी

- प्रायद्वीपीय भारत की **तीसरी सबसे बड़ी नदी**।
- **ओडिशा** की **सबसे बड़ी** नदी।
- महानदी - **2 संस्कृत शब्दों** "**महा**" - "महान" और "**नदी**" - "नदी" से मिल कर बना हैं |
- **राज्य**- छत्तीसगढ़, ओडिशा, झारखंड, महाराष्ट्र और मध्य प्रदेश
- **जलग्रहण क्षेत्र** - 1.4 लाख वर्ग किमी।
- **सीमाएँ**- मध्य भारत की पहाड़ियाँ (उत्तर), पूर्वी घाट (दक्षिण और पूर्व), और मैकला श्रेणी (पश्चिम)।
- **स्रोत** - दंडकारण्य की उत्तरी तलहटी, रायपुर,(छत्तीसगढ़) |
- **जल क्षमता** और **बाढ़ क्षमता** के मामले में, यह गोदावरी के बाद **दूसरे स्थान** पर है।
- **मुख्य भाग कृषि भूमि** से आच्छादित है- कुल क्षेत्रफल का 54.27%।
- **भारतीय उपमहाद्वीप** में **सबसे सक्रिय** गाद जमा करने वाली धाराओं में से एक हैं।
- **हीराकुण्ड बाँध** एशिया की सबसे बड़ी **मानवनिर्मित झील** है।(भारत का सबसे बड़ा बाँध)
- कई धाराओं के माध्यम से "**फ़ाल्स पाइन्ट**" के पास **बंगाल की खाड़ी में मिल** जाती है।
- **ऊपरी मार्ग -** तश्तरी के आकार का बेसिन जिसे '**छत्तीसगढ़ का मैदान**' भी कहा जाता हैं|
- **उत्तर**, **पश्चिम** और **दक्षिण** में पहाड़ियों से घिरी- बड़ी संख्या में **सहायक नदियाँ** मुख्य नदी में मिलती हैं।
- **बाएँ किनारे की सहायक नदियाँ:**शिवनाथ , हसदेव, माण्ड, और इब
- **दाहिने किनारे की सहायक नदियाँ:** ओंग, तेल और जोंक।
- **प्रमुख परियोजना:**
  - महानदी मुख्य नहर
  - छत्तीसगढ़ में तंदुला जलाशय।
  - हीराकुंड बांध
  - महानदी डेल्टा परियोजना
  - हसदेव बांगो बांध
  - महानदी जलाशय परियोजना।

हीराकुंड बांध-

- **स्वतंत्रयोत्तर** पहली **बड़ी बहुउद्देशीय नदी घाटी परियोजनाओं** में से एक।
- **उद्देश्य**: महानदी बेसिन में **बाढ़** को **नियंत्रित करना**, **सिंचाई** के लिए **पानी उपलब्ध कराना** और **नगरपालिका जल आपूर्ति।**
- **स्थान**: संबलपुर, ओडिशा।

गंगरेल बांध/आर.एस. सागर बांध (रविशंकर सागर बांध)

- **स्थान**: धमतरी जिला, छत्तीसगढ़।

दुधवा बांध:

- **स्थान**: धमतरी, छत्तीसगढ़।

- **उद्योग:**
  - **प्रमुख शहरी केंद्र**- रायपुर, दुर्ग और कटक।
  - **समृद्ध खनिज** संसाधन और **पर्याप्त बिजली** संसाधन।
  - **प्रमुख उद्योग-** लोहा और इस्पात संयंत्र, भिलाई, एल्यूमीनियम कारखाने, हीराकुंड और कोरबा, पेपर मिल (कागज), कटक और सीमेंट कारखाना, सुंदरगढ़।
  - **कृषि उद्योग** - चीनी और कपड़ा मिलें।
  - **कोयला**, **लोहा** और **मैंगनीज** का **खनन** भी प्रमुख क्षेत्र है।
- **बाढ़**:
  - **धाराओं की अपर्याप्त वहन क्षमता** के कारण डेल्टा क्षेत्र में गंभीर बाढ़ का खतरा बना रहता हैं।

V. कावेरी

- '**दक्षिण भारत की गंगा**' या '**दक्षिण की गंगा**' के नाम से **भी** जाना जाता **।**
- **उत्पत्ति:** तालकावेरी, ब्रह्मगिरी श्रेणी, चेरंगला गांव, कूर्ग, कर्नाटक से होती हैं |
- **लंबाई**: 800 किमी।
- **राज्य**-तमिलनाडु , कर्नाटक, केरल और पुडुचेरी शामिल हैं।
- एक विस्तृत डेल्टा जो "**दक्षिणी भारत का उद्यान**" के नाम से भी जाना जाता हैं बनाने के बाद बड़ी संख्या में **वितरिकाओं में टूट जाता** है|
- **सीमाएँ- पश्चिमी घाट** (पश्चिम), **पूर्वी घाट** (पूर्व और दक्षिण) और **कटक** इसे कृष्णा और पेन्नार बेसिन (उत्तर) से अलग करते हैं।
- **बेसिन** - **3 भाग -** पश्चिमी घाट, मैसूर का पठार और डेल्टा।
- **डेल्टा** - **सबसे उपजाऊ भाग** |